3. छायावाद की काव्यगत प्रवृत्तियां -

i. वैयक्तिकता
ii. सौन्दर्यानुभूति
iii. वेदना तथा पलायनवाद
iv. अज्ञात सत्ता के प्रति आकर्षण।
v. प्रकृति चित्रण
vi. अभिव्यक्ति की अनूठी पद्धति
vii. नारी के प्रति नवीन दृष्टिकोण
viii. प्रकृति का मानवीकरण

4. द्विवेदीयुग के सामान्य प्रवृत्तियां -

i. देश भक्ति
ii. मानवतावादी दृष्टिकोण
iii. स्वच्छन्द प्रकृति चित्रण
iv. इतिवृत्तात्मकता तथा गद्यात्मकता
v. अनुवाद की प्रवृत्ति
vi. शुद्ध भाषा व व्याकरण
vii. निष्कर्ष

5. प्रगतिवाद के सामान्य प्रवृत्तियों को लिखें।

i. पूँजीवाद का महत्व
ii. साम्यवाद का समर्थन
iii. सांस्कृतिक समन्वय की भावना
कला पक्ष
iv. बौद्धिकता तथा व्यंग का प्रसार
v. भाषा शैली
vi. सामाजिक समस्याओं का चित्रण
vii. क्रांति की भावना
viii. निष्कर्ष
ix.

6. प्रयोगवाद के सामान्य प्रवृत्तियों को लिखें

1. ~~विचारधारा~~ विचारधारा से मुक्ति

पृष्ठ क्रमांक

ii. व्यक्तिवाद

iii. यथार्थवाद

iv. लघुमानव की महत्व

v. वासना की नग्न प्रवृत्ति

vi. विद्रोह धार्मिकता

vii. शैल्पिक पक्ष

7. नई कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ :-

i. व्यक्ति स्वतंत्रता

ii. आस्था एवं अनास्था

iii. औद्योगिक सभ्यता

iv. अनुभूति परकता

v. प्रकृति चित्रण

vi. शैल्पिक विशेषताएँ :-

8. भक्तिकाल के सामान्य प्रवृत्तियाँ :-

i. ईश्वर के प्रति उत्कृष्ट अनुराग

ii. गुरु महिमा

iii. नाम स्मरण की महिमा का बखान

v. समानता की भावना

vi. शास्त्रीय ज्ञान की अपेक्षा लोकानुभव का महत्व

vii. सत्संगति की भावना

viii. बहुदेववाद का विरोध

ix. समन्वयवादी भावना

x. नीतिकाव्य :-

बलराम कुमार